डैनियल की पुस्तक - संख्या छियासठ

भविष्यवाणी की सिम्फनी का अनावरण: मुहरबंदी का समय, अंतिम वर्षा, और बाबुल से बाहर निकलने का आह्वान

Jeff Pippenger

2024-01-30

पिछले लेख में जिस खंड पर हमने विचार किया था, उसमें कहा गया था कि, "प्रकाशितवाक्य के अठारहवें अध्याय" का "पवित्र आत्मा का महान उंडेला जाना" "तब तक नहीं आएगा जब तक हमारे पास ऐसे प्रबुद्ध लोग न हों, जो अनुभव से जानते हों कि परमेश्वर के साथ मिलकर सहकर्मी होना क्या होता है।" पर प्रतिज्ञा यह है कि जब "हम मसीह की सेवा के लिए पूर्ण, पूरे मन का समर्पण रखते हैं, तो परमेश्वर इस तथ्य की पुष्टि अपने आत्मा को अपरिमित रूप से उंडेलकर करेगा।" "महान उंडेला जाना" का उल्लेख एक छोटे उंडेलने (अर्थात मापा हुआ) की ओर संकेत करता है।

11 सितंबर, 2001 को प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह का शक्तिशाली स्वर्गदूत उतरा, परन्तु 'कलीसिया का सबसे बड़ा हिस्सा' तब भी, और अब भी, 'परमेश्वर के साथ मिलकर श्रम करनेवाले नहीं हैं'। 11 सितंबर, 2001 और उस बिंदु के बीच जब परमेश्वर यह पहचानते हैं कि अंततः एक समूह 'मसीह की सेवा के लिए संपूर्ण, पूरे मन का समर्पण' तक पहुँच गया है, उस अवधि के दौरान अन्तिम वर्षा 'मापी जाती है', जीवितों का न्याय होता है, और न्याय परमेश्वर के घर से आरंभ होता है।

प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह दो आवाज़ों की पहचान करता है, जिनके बारे में बहन व्हाइट हमें बताती हैं कि वे कलीसियाओं के लिए दो आह्वान हैं। दूसरी आवाज़ (पुकार) शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय बाबुल से बाहर निकलने का आह्वान है। पहली आवाज़ 11 सितंबर, 2001 को आई। तब जो पवित्र आत्मा का उंडेला जाना शुरू हुआ, वह "मापा हुआ" था, क्योंकि मसीह को पहले उन लोगों को शुद्ध करना था जिन पर वे अंततः पवित्र आत्मा को "बिना माप" उंडेलेंगे, जब वे उन्हें महान भूकंप की घड़ी में एक ध्वज के रूप में ऊँचा उठाएँगे। उस समूह को प्रकाशितवाक्य अठारह की दूसरी आवाज़ के सुनाई देने से पहले शुद्ध किया जाना आवश्यक था, क्योंकि वही वे होंगे जो उस संदेश की घोषणा करेंगे।

1844 के वसंत में पहली निराशा के समय, प्रोटेस्टेंट धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंट बन गए, और तब जो निष्ठावान स्वयं को प्रतीक्षा काल में पाए, वे उन लोगों से बने मंदिर का प्रतिनिधित्व करते थे जो पहले परमेश्वर की प्रजा नहीं थे। 11 सितम्बर, 2001 को प्रकाशितवाक्य 18 का पराक्रमी स्वर्गदूत उतर आया, और परमेश्वर के अंतिम-काल के मंदिर के शुद्धीकरण और स्थापना की प्रक्रिया का पहला चरण आरंभ हुआ, जो लाओदिकियाई एडवेंटिज़्म की परख से शुरू हुआ। 18 जुलाई, 2020 को परख की प्रक्रिया का दूसरा चरण शुरू हुआ। मसीह के बपतिस्मा के समय प्राचीन इस्राएल को अलग करने की प्रक्रिया शुरू हुई, क्योंकि तब मसीह ने पहले शिष्यों का चयन किया, जो उस इतिहास में वह जिस मसीही मंदिर का निर्माण कर रहा था, उसकी नींव थे।

अपने साढ़े तीन वर्ष के सेवाकाल की शुरुआत में, मसीह ने मंदिर को शुद्ध किया, जिसे उन्होंने "अपने पिता का घर" कहा; और अपने सेवाकाल के अंत में, जब उन्होंने दूसरी और अंतिम बार मंदिर को शुद्ध किया, तो उनका कथन था, "तुम्हारा घर तुम्हारे लिए उजाड़ छोड़ा जाता है।" पहले की वाचा के लोगों को एक ओर कर दिया गया था और उनकी नई वाचा के लोगों को "उनका मंदिर" के रूप में स्थापित किया गया। रविवार के कानून के समय सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया की कॉर्पोरेट संरचना उजाड़ हो जाएगी।

> “भविष्यद्वक्ता कहता है, ‘मैं ने एक और स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा, जिसके पास बड़ा अधिकार था; और पृथ्वी उसकी महिमा से आलोकित हो गई। और वह बड़े शब्द से बलपूर्वक पुकारकर कहने लगा, बड़ा बाबुल गिर

गया, गिर गया, और दुष्टात्माओं का निवासस्थान बन गया है' (प्रकाशितवाक्य 18:1, 2)। यह वही संदेश है जो दूसरे स्वर्गदूत द्वारा दिया गया था। बाबुल गिर गया है, 'क्योंकि उसने अपने व्यभिचार के कोपमय दाखमधु से सब जातियों को पिला दिया है' (प्रकाशितवाक्य 14:8)। वह दाखमधु क्या है?—उसकी झूठी शिक्षाएँ। उसने चौथी आज्ञा के विश्रामदिन के स्थान पर संसार को एक झूठा सब्त दिया है, और उस असत्य को भी दोहराया है जो शैतान ने प्रथम बार अदन में हव्वा से कहा था—आत्मा की स्वाभाविक अमरता। उसने इसी प्रकार की बहुत-सी भ्रांतियों को दूर-दूर तक फैला दिया है, 'मनुष्यों की आज्ञाओं को उपदेश करके सिखाती है' (मत्ती 15:9)।"

जब यीशु ने अपनी सार्वजनिक सेवकाई आरम्भ की, तब उन्होंने उसके ईशनिन्दात्मक अपवित्रीकरण से मन्दिर को शुद्ध किया। अपनी सेवकाई के अन्तिम कार्यों में से एक मन्दिर का दूसरी बार शुद्धिकरण था। इसी प्रकार संसार को चेतावनी देने के अन्तिम कार्य में, कलीसियाओं को दो पृथक-पृथक बुलाहटें दी जाती हैं। दूसरे स्वर्गदूत का संदेश यह है, 'बाबुल गिर गया, गिर गया, वह बड़ा नगर, क्योंकि उसने सब जातियों को अपने व्यभिचार के क्रोध की दाखमधु पिलाई' (प्रकाशितवाक्य 14:8)। और तीसरे स्वर्गदूत के संदेश की प्रबल पुकार में स्वर्ग से यह वाणी सुनाई देती है, 'हे मेरे लोगों, उसमें से निकल आओ, ताकि तुम उसके पापों के सहभागी न बनो, और उसकी मारियों में से तुम्हें न मिले; क्योंकि उसके पाप स्वर्ग तक पहुँच गए हैं, और परमेश्वर ने उसके अधर्मों को स्मरण किया है' (प्रकाशितवाक्य 18:4, 5)। रिव्यू एंड हेराल्ड, 6 दिसम्बर, 1892।

पहला मंदिर-शुद्धिकरण प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह की पहली आवाज़ के साथ मेल खाता है, और दूसरी आवाज़ वह तेज पुकार है जो परमेश्वर के अन्य झुंड को बाबुल से बाहर बुलाती है। पद 1 से 3 तब पूरे हुए जब न्यूयॉर्क सिटी की विशाल इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह 11 सितंबर, 2001 को हुआ, और पहला मंदिर-शुद्धिकरण—अर्थात कलीसियाओं के लिए दो बुलाहटों में से पहली—आरंभ हुआ। पहली बुलाहट मसीह के बपतिस्मे के समय शुरू हुई, जब पवित्र आत्मा स्वर्ग से उतर आया और प्राचीन इस्राएल की परीक्षा आरंभ हुई। 11 अगस्त, 1840 को, पहला मंदिर-शुद्धिकरण—अर्थात कलीसियाओं के लिए दो बुलाहटों में से पहली—मिलराइट आंदोलन को दी गई।

उसी समय, जांच-पड़ताल के न्याय के अंतिम चरणों के साथ-साथ अंतिम वर्षा और एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी आरंभ हुई। उन अंतिम चरणों में मसीह का कार्य इस रूप में दर्शाया गया है कि वह विश्वासियों के पापों को पापों की पुस्तक से मिटा देता है, या स्वयं को मसीही बताने वालों के नामों को जीवन की पुस्तक से मिटा देता है। वह अवधि अंतिम वर्षा की फुहारों की अवधि है, क्योंकि परमेश्वर पवित्र आत्मा को बिना माप केवल तब उंडेलेगा जब कलीसिया शुद्ध होगी। जब रविवार का कानून लागू होगा, तब पवित्र आत्मा असीम रूप से उंडेला जाएगा।

"भाइयों, तैयारी के महान कार्य में आप क्या कर रहे हैं? जो लोग संसार के साथ एक हो रहे हैं, वे सांसारिक साँचे में ढल रहे हैं और पशु के चिन्ह के लिए तैयारी कर रहे हैं। जो अपने आप पर अविश्वास रखते हैं, जो परमेश्वर के सामने अपने आप को नम्र करते हैं और सत्य का पालन करके अपनी आत्माओं को शुद्ध कर रहे हैं—ये स्वर्गीय साँचे में ढल रहे हैं और अपनी ललाट पर परमेश्वर की मुहर के लिए तैयारी कर रहे हैं। जब आज्ञा जारी होगी और मुहर लगा दी जाएगी, तब उनका चरित्र अनन्तकाल तक शुद्ध और निष्कलंक बना रहेगा।" गवाहियाँ, खंड 5, 216.

"पवित्र आत्मा का कार्य संसार को पाप, धर्म और न्याय के विषय में दोषी ठहराना है। संसार को केवल तभी चेतावनी दी जा सकती है जब वह उन लोगों को, जो सत्य पर विश्वास करते हैं, सत्य के द्वारा पवित्र किए हुए, उच्च और पवित्र सिद्धान्तों के अनुसार आचरण करते हुए, और ऊँचे, उन्नत अर्थ में, परमेश्वर की आज्ञाओं को माननेवालों और उन्हें अपने पैरों तले रौंदनेवालों के बीच विभाजन-रेखा को प्रकट करते हुए देखे। आत्मा का पवित्रीकरण उन लोगों के बीच के भेद को चिह्नित करता है जिनके पास परमेश्वर की मुहर है, और उन लोगों के बीच जो एक मिथ्या विश्राम-दिन मानते हैं। जब परीक्षा का समय आएगा, तब यह स्पष्ट रूप से प्रकट कर दिया जाएगा कि पशु का चिन्ह क्या है। वह रविवार का पालन करना है। जो लोग सत्य सुन लेने के बाद भी इस दिन को पवित्र मानते रहते हैं, वे पाप के उस मनुष्य की छाप धारण करते हैं, जिसने समयों और व्यवस्थाओं को बदलने का विचार किया।" Bible Training School, December 1, 1903.

यशायाह 'पूरब की हवा के दिन'—जिसे वह 'प्रचण्ड पवन' भी कहता है—जो रोकी हुई है (ठहरती है), को उस समय के रूप में चिन्हित करता है जब 'मापन' प्रारंभ होता है।

> माप में, जब वह फूटता है, तू उससे वाद-विवाद करेगा; वह पूर्वी पवन के दिन अपनी कठोर वायु को रोक देता है। इसलिए इसी से याकूब का अधर्म शुद्ध किया जाएगा; और उसका पाप दूर करने का सारा फल यही है: जब वह वेदी के सब पत्थरों को उन चूने के पत्थरों के समान कर देगा जो टुकड़े-टुकड़े करके कूटे गए हों, तब उपवन और मूर्तियाँ फिर खड़ी न रहेंगी। तो भी किलेबंद नगर उजाड़ होगा, और निवास-स्थान त्यागा हुआ रहेगा, और जंगल के समान छोड़ दिया जाएगा; वहाँ बछड़ा चरता रहेगा, और वहीं वह लेट जाएगा, और उसकी डालियों को खा जाएगा। जब उसकी डालियाँ सूख जाएँगी, तो वे तोड़ दी जाएँगी; स्त्रियाँ आकर उन्हें आग लगा देंगी; क्योंकि यह समझ-बूझ से रहित लोग हैं; इसलिए जिसने उन्हें बनाया वह उन पर दया नहीं करेगा, और जिसने उन्हें रचा वह उन्हें अनुग्रह नहीं दिखाएगा। और उस दिन ऐसा होगा कि यहोवा नदी की धारा से लेकर मिस्र की धारा तक झाड़ डालेगा, और हे इस्राएल के पुत्रो, तुम एक-एक करके इकट्ठे किए जाओगे। और उस दिन ऐसा होगा कि बड़ा नरसिंगा फूंका जाएगा, और जो अश्शूर देश में नाश होने को तैयार थे वे आएँगे, और जो मिस्र देश में निकाले हुए हैं वे भी आएँगे, और यरूशलेम में पवित्र पर्वत पर यहोवा की उपासना करेंगे। यशायाह 27:6-13.

"पूर्वी हवा" वह शक्ति है जो "तारशीश के जहाज़" डुबो देती है और "टायर की वेश्या" पर न्याय लाती है। "पूर्वी हवा" वह शक्ति है जो राजाओं को भयभीत कर देती है। "पूर्वी हवा" ही वह है जिसने मिस्र पर "झुलसा देने वाली" विपत्ति लाई, जिसने सात वर्षों का अकाल पैदा किया, जब यूसुफ और फिरौन ने पूरे संसार (मिस्र) को गुलामी में ले लिया; और "पूर्वी हवा" ही वह थी जिसने "टिड्डियाँ" लाईं, जिन्होंने मिस्र से मुक्ति के दौरान सब कुछ खा लिया। इस्लाम "पूर्वी हवा" है।

बाइबल की भविष्यवाणी में वर्णित सुधार आंदोलन यह स्थापित करते हैं कि हर सुधार आंदोलन का अपना विशिष्ट विषय होता है। एक लाख चवालीस हज़ार के सुधार आंदोलन का विषय इस्लाम है। 11 सितम्बर, 2001 को, तीसरे 'हाय' से संबंधित इस्लाम ने पृथ्वी के पशु पर आक्रमण किया, और जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, 'द्वितीय', ने तुरंत 'पूर्वी पवन' पर रोक लगा दी। उस घटना में, जैसा कि सिस्टर व्हाइट दर्ज करती हैं, जब न्यूयॉर्क सिटी की महान इमारतें ढहा दी जाती हैं, तब प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह के पद 1 से 3 की पूर्ति हुई। वे तीन पद प्रकाशितवाक्य अध्याय अठारह में दो आवाज़ों में से पहली का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरी आवाज़ पद 4 में है, और वह बाबुल से बाहर निकलने के आह्वान को दर्शाती है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में रविवार के कानून से शुरू होता है। तीसरे 'हाय' से संबंधित इस्लाम को प्रकाशितवाक्य अध्याय सात के चार स्वर्गदूतों द्वारा रोका जाता है, जबकि एक लाख चवालीस हज़ार पर मुहर लगाई जाती है।

> "प्रभु परमेश्वर एक ईर्ष्यालु परमेश्वर है, तथापि वह इस पीढ़ी में अपनी प्रजा के पापों और उल्लंघनों को दीर्घ समय तक सहन करता है। यदि परमेश्वर की प्रजा उसके परामर्श में चलती, तो परमेश्वर का कार्य आगे बढ़ता, सत्य के संदेश पृथ्वी के मुख पर बसने वाले सभी लोगों तक पहुँचाए जा चुके होते। यदि परमेश्वर की प्रजा ने उस पर विश्वास किया होता और उसके वचन के कर्ता बने होते, यदि उन्होंने उसकी आज्ञाओं का पालन किया होता, तो वह स्वर्गदूत स्वर्ग में उड़ता हुआ उन चार स्वर्गदूतों से—जो पृथ्वी पर बहने के लिए पवनों को छोड़ देने वाले थे—यह पुकारकर न कहता, 'रोको, रोको, चारों पवनों को रोको, कि वे पृथ्वी पर न बहें, जब तक कि मैं परमेश्वर के दासों के ललाटों पर मुहर न कर दूँ।' परन्तु क्योंकि लोग प्राचीन इस्राएल के समान अवज्ञाकारी, कृतघ्न और अपवित्र हैं, इसलिए समय बढ़ाया गया है ताकि सब लोग दया का अंतिम संदेश, जो ऊँचे शब्द से घोषित किया जाता है, सुन सकें। प्रभु का कार्य अवरुद्ध हुआ है, मुहर लगाने का समय विलंबित हो गया है। बहुतों ने सत्य नहीं सुना है। परन्तु प्रभु उन्हें सुनने और परिवर्तित होने का अवसर देगा, और परमेश्वर का महान कार्य आगे बढ़ेगा।" मैन्युस्क्रिप्ट रिलीज़ेस, खंड 15, 292.

जो मुहरबंद किए जाते हैं, वे रविवार के कानून से पहले ही मुहरबंद किए जाते हैं, क्योंकि संसार को केवल तभी चेताया जा सकता है, और इस प्रकार बाबेल से बाहर बुलाया जा सकता है, जब वह रविवार के कानून के संकट में

परमेश्वर की मुहर लिये हुए पुरुषों और स्त्रियों को देखे। एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी 11 सितंबर, 2001 को शुरू हुई, लेकिन मुहरबंदी का समय विलंबित हो गया।

सभी भविष्यद्वक्ता अंतिम पीढ़ी को संबोधित कर रहे हैं, और यह खंड सीधे उसी अंतिम पीढ़ी की ओर संकेत करता है। इस अंतिम पीढ़ी में परमेश्वर की प्रजा ने "उसके परामर्श में चलना" नहीं किया, और इसी कारण महर लगाने का समय बाधित और विलंबित हो गया। यह विलंब और बाधा प्रकाशितवाक्य के ग्यारहवें अध्याय में वर्णित अथाह कुंड से निकलने वाले उस पशु के कारण हुई, जिसने दो भविष्यद्वक्ताओं की हत्या की। फ्रांसीसी क्रांति के समय वह पशु नास्तिकता का प्रतीक था, और उसने उस नास्तिक आंदोलन का पूर्वरूप प्रस्तुत किया, जिसे "woke-ism" लाने वालों ने—जो अब संसार का सामना कर रहा है—Future for America के आंदोलन में प्रवेश कराया; और तब Future for America ने परमेश्वर के परामर्श में चलना छोड़ दिया तथा अपने आधुनिक समलैंगिक एजेंडा का प्रचार करने वालों के प्रभाव को, समय-निर्धारण का प्रचार करने वालों के साथ मिलकर, महर लगाने के समय में बाधा पहुँचाने की अनुमति दे दी।

> मुझे जो बहुत कुछ प्रकट किया गया है, वह मेरे मन पर इस प्रकार उमड़ रहा है कि मैं उसे व्यक्त करने का तरीका मुश्किल से ही जानता हूँ। फिर भी मैं मौन नहीं रह सकता। प्रभु उन मनुष्यों पर आक्रोशित हैं जो अपने सह-मनुष्यों पर शासन करने के लिए स्वयं को स्थापित करते हैं और उन योजनाओं को कार्यान्वित करते हैं जिनकी पवित्र आत्मा ने निंदा की है। मैं जितना व्यक्त कर सकता हूँ उससे अधिक इस बात पर आश्चर्यचकित हूँ कि आप यह परख नहीं पाए कि परमेश्वर ने इन मनुष्यों को स्थापित नहीं किया है। नई व्यवस्था आपको सचेत कर देनी चाहिए, क्योंकि उसे स्वर्ग का अनुमोदन नहीं था।
>
> प्राकृतिक हृदय को अपने दूषित, भ्रष्टकारी सिद्धांत परमेश्वर के कार्य में नहीं लाने चाहिए। हमारे विश्वास के सिद्धांतों को छिपाया नहीं जाना चाहिए। तीसरे स्वर्गदूत का संदेश परमेश्वर की प्रजा द्वारा सुनाया जाना है। यह बढ़कर प्रबल पुकार बन जाना है। प्रभु ने एक समय ठहराया है जब वह कार्य को समेट देगा; पर वह समय कब है? जब इन अंतिम दिनों के लिए घोषित की जानेवाली सच्चाई सब जातियों के समक्ष गवाही के रूप में जाएगी, तब अंत आएगा। यदि शैतान की शक्ति परमेश्वर के ही मंदिर में आ सके और अपनी इच्छा से कार्यों को अपने अनुसार चलाए और मोड़ दे, तो तैयारी का समय लंबा खिंच जाएगा।
>
> यहाँ उन आंदोलनों का रहस्य है जो उन पुरुषों का विरोध करने के लिए चलाए गए जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के लिए आशीर्वाद का संदेश देकर भेजा था। इन पुरुषों से घृणा की गई। उन पुरुषों और परमेश्वर के संदेश का तिरस्कार किया गया, ठीक वैसे ही जैसे अपने प्रथम आगमन में स्वयं मसीह से घृणा की गई और उनका तिरस्कार किया गया। जिम्मेदार पदों पर आसीन लोगों ने वही लक्षण प्रकट किए हैं जो शैतान ने प्रकट किए हैं। उन्होंने मनों पर शासन करने का प्रयास किया है, लोगों की बुद्धि और उनकी प्रतिभाओं को मानवीय नियंत्रण के अधीन लाने के लिए। ऐसा प्रयास किया गया है कि परमेश्वर के दासों को उन लोगों के नियंत्रण के अधीन कर दिया जाए जिनके पास न तो परमेश्वर का ज्ञान और बुद्धि है, और न ही पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन में कोई अनुभव। ऐसे सिद्धांत जन्मे हैं जिन्हें कभी दिन का उजाला नहीं देखना चाहिए था। उस नाजायज़ संतान को तो, जैसे ही उसने जीवन की पहली सांस ली, दम घोंट दिया जाना चाहिए था। नश्वर मनुष्यों ने परमेश्वर, सत्य और प्रभु के चुने हुए दूतों के विरुद्ध युद्ध किया है, और जिन-जिन साधनों का उपयोग करने का उन्होंने साहस किया, उन सबके द्वारा उनके कार्य को निष्फल करने का प्रयास किया है। कृपया विचार कीजिए कि जिन्होंने परमेश्वर के संदेशों को तुच्छ जाना, उनकी बुद्धि और योजनाओं में कौन-सा सद्गुण निकला, और शास्त्रियों और फरीसियों के समान, उन्होंने उन्हीं पुरुषों का तिरस्कार किया जिन्हें परमेश्वर ने अपनी प्रजा के लिए आवश्यक ज्योति और सत्य प्रस्तुत करने के लिए उपयोग किया। The 1888 Materials, 1525.

11 सितम्बर, 2001 को आरंभ हुआ मुहरबंदी का समय बाधित हो गया, क्योंकि शैतान के प्रतिनिधियों को परमेश्वर के "उसी मंदिर" में प्रवेश की अनुमति दी गई। यहाँ जिस बात पर ध्यान देना चाहिए, वह यह है कि 1798 से 1844 तक मिलराइट मंदिर का निर्माण किया गया, और 22 अक्तूबर, 1844 को वाचा का दूत अचानक अपने मंदिर में आ

पहुँचा। मंदिर और सेना को पोपाई सत्ता ने बारह सौ साठ वर्षों तक रौंदा, और जब पोपाई सत्ता को उसका घातक घाव लगा, तब मसीह ने मिलराइट मंदिर के निर्माण का कार्य आरंभ किया, और मंदिर का प्रतीक संख्या छियालीस है, जो कई गवाहियों पर आधारित है।

11 अगस्त, 1840 को, प्रकाशितवाक्य के दसवें अध्याय का स्वर्गदूत उतरा, और प्रोटेस्टेंटवाद का न्याय आरंभ हुआ। वह इतिहास अक्षरशः दोहराया जाता है।

शास्त्रों में वही "पूर्वी पवन" है जो तरशीश के जहाज़ों को डुबो देती है, उस महान नगर टायरस को गिरा देती है, और राजाओं व व्यापारियों को तीन बार “हाय, हाय” (अफसोस, अफसोस) चिल्लाने पर मजबूर करती है। पर यशायाह के जिस खंड पर हम विचार कर रहे हैं, उसमें "पूर्वी पवन" का दिन वह दिन है जब परमेश्वर "अपनी कठोर वायु को रोकता है"। इस खंड में "पूर्वी पवन" को इतना रोके रखा गया है कि वह तीसरे देवदूत के कार्य को न रोक सके; एक ऐसा कार्य जो अंतिम वर्षा के समय सम्पन्न होता है। इस खंड में रोकी हुई "पूर्वी पवन" का विषय अंतिम वर्षा, तीसरे देवदूत के कार्य, और बाबेल में परमेश्वर के अन्य बच्चों को बाहर निकालकर एकत्र करने की पहचान कराता है। उस समयावधि में, एक लाख चवालीस हजार की मुहरबंदी के दौरान, चार स्वर्गदूत चारों पवनों को थामे हुए हैं।

> और इन बातों के पश्चात् मैंने चार स्वर्गदूतों को पृथ्वी के चारों कोनों पर खड़े देखा, जो पृथ्वी की चारों वायुओं को थामे हुए थे, ताकि न पृथ्वी पर, न समुद्र पर, और न किसी वृक्ष पर वायु बहे। फिर मैंने एक और स्वर्गदूत को पूर्व दिशा से ऊपर आते देखा, जिसके पास जीवते परमेश्वर की मुहर थी; और उसने उन चार स्वर्गदूतों को, जिन्हें पृथ्वी और समुद्र को हानि पहुँचाने का अधिकार दिया गया था, बड़े शब्द से पुकारकर कहा, जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथों पर मुहर न लगा दें, तब तक न पृथ्वी को, न समुद्र को, और न वृक्षों को हानि पहुँचाना। प्रकाशितवाक्य 7:1–3।

"पूर्वी पवन" को रोक कर रखना, "क्रोधित राष्ट्रों" को थामे रखना और "चार हवाओं" को थामे रखना—ये सब "अंतिम वर्षा" के दौरान होते हैं, क्योंकि "अंतिम वर्षा" का ही वह काल है जब परमेश्वर की मुहर उसके लोगों पर लगाई जाती है। चार स्वर्गदूतों द्वारा थामी जा रही "चार हवाएँ" इस्लाम का प्रतीक हैं।

> “स्वर्गदूत चारों पवनों को थामे हुए हैं, जिन्हें एक क्रोधित घोड़े के रूप में दर्शाया गया है, जो छूटकर निकल भागने और सारी पृथ्वी के मुख पर दौड़ जाने का प्रयत्न कर रहा है, और अपने मार्ग में विनाश और मृत्यु लिए हुए है।
>
> “क्या हम अनन्त जगत् की ठीक दहलीज़ पर सोए रहेंगे? क्या हम सुस्त, शीतल और मृतवत् बने रहेंगे? ओह, काश हमारी कलीसियाओं में परमेश्वर का आत्मा और श्वास उसकी प्रजा में फूँका जाए, ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हों और जीवित हो जाएँ। हमें यह देखने की आवश्यकता है कि मार्ग संकीर्ण है, और फाटक तंग है। परन्तु जब हम उस तंग फाटक से होकर प्रवेश करते हैं, तब उसकी व्यापकता असीम होती है।” Manuscript Releases, volume 20, 217.

हम इन वास्तविकताओं पर अगले लेख में आगे विचार करेंगे, क्योंकि "इन राजाओं के दिनों में"—जिनका प्रतिनिधित्व बाइबल की भविष्यवाणी का आठवाँ राज्य करता है, जो "सात में से है"—परमेश्वर एक अनन्त राज्य स्थापित करता है।

> और इन राजाओं के दिनों में स्वर्ग का परमेश्वर एक ऐसा राज्य स्थापित करेगा, जो कभी नष्ट न होगा; और वह राज्य अन्य लोगों को न सौंपा जाएगा, परन्तु वह इन सब राज्यों को चूर-चूर करके उनका अन्त कर देगा, और वह सदा स्थिर रहेगा। क्योंकि तू ने देखा कि वह पत्थर बिना हाथों के पर्वत से काटा गया, और उसने लोहे, पीतल, मिट्टी, चाँदी, और सोने को चूर-चूर कर दिया; महान परमेश्वर ने राजा पर प्रकट कर दिया है कि इसके बाद क्या होने वाला है; और यह स्वप्न निश्चित है, और उसका अर्थ अटल है। दानिय्येल 2:44, 45.